बाल - युवा जीवन

उत्थान - शिविर

14 जून 1997 - 22 जून 1997

सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि०)

भूमिका

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समय-समय पर सामाजिक वातावरण के बदलाव का सीधा प्रभाव उसके रहन-सहन के ढंग अथवा विचारधारा को प्रभावित करता है। कलियुग में सामाजिक वातावरण दूसरे युगों से बिल्कुल भिन्न होता है। इस युग में नैतिक पतन बढ़ता है और आमतौर पर मनुष्य चरित्रहीन और विकारों से ग्रसित रहता है, फलस्वरूप वह जीवन की सुखमय मान्यताओं से दूर अलगाववाद में फँसता चला जाता है। इस प्रकार वह इंसानियत के गुणों से वंचित हो अज्ञानता के मार्ग पर अग्रसर होता चला जाता है। इसी कारण इस संसार में ढूँढने से भी कोई सुखमय अनुभूति वाला व्यक्ति आसानी से नहीं मिलता।

इसी सन्दर्भ में 'बाल-युवा जीवन उत्थान-शिविर' का आयोजन आवश्यक समझा गया ताकि बाल-युवा और आने वाली पीढ़ी में जागृति आए और वह इस योग्य बन सके कि जिस प्रकार का दुःखःमय जीवन उनके माता-पिता व अन्य बुजुर्गों ने जिया उसी प्रकार का निराशा भरा जीवन उनको भी न जीना पड़े। आत्मबल जो हर मनुष्य का टूट चुका है - आत्मबल टूटने के कारण जो हर पल भय का वातावरण हमारी बुद्धि को पूर्णतया विकसित होने से रोके हुए है, उसी आत्मबल के प्रति बाल-युवा जागरुक हों, आत्मविश्वासी एवं अनुशासित ढंग से अपना जीवन व्यतीत करने योग्य बनें। केवल ऐसा होने पर ही नैतिक पतन रुक सकता है और हमारे समाज में सत्य, शांति, अहिंसा और एकता का वातावरण पुनः लौट सकता है। यह शिविर दिनांक 14 जून शनिवार से लेकर दिनांक 22 जून रविवार तक सतयुग दर्शन वसुन्धरा पर

आयोजित किया गया जिसमें करीब बारह-सौ बच्चों (लड़के - लड़कियों) ने भिन्न-भिन्न प्रांतों से आकर भाग लिया। इन बच्चों को खेल ही खेल में जीवन-उपयोगी सांसारिक व पारमार्थिक ज्ञान बताते हुए साथ-साथ सात्विक आहार अच्छी रैहणी-बैहणी और अच्छे गुणों को धारण करने की आवश्यकता पर बल देते हुए परोपकारी सत्य मार्ग अपनाने हेतु प्रेरित भी किया गया। इसी के साथ शारीरिक सुन्दरता व स्वस्थता और मानसिक स्वस्थता बनाए रखने के बारे में भी उन्हें संक्षिप्त रूप से बताया गया ताकि उनका जीवन उज्जवल और प्रगतिशील बने। सूक्ष्मत: इस शिविर का उद्देश्य हर इंसान को इंसानियत से परिचित करा, उसे श्रेष्ठ-पुरुष अर्थात् विद्धान, गुणवान, बलवान, धनवान, बुद्धिमान और ज्ञानवान बनाने का यत्न था। यह यत्न हम सबके लिए भी हितकारी है। इसीलिए आपसे भी अनुरोध है कि इस पुस्तक से प्रेरणा प्राप्त कर विकारों को त्याग निर्विकार सुखमय जीवन व्यतीत करें।

साडा है सजन राम, राम है कुल जहान

निमन्त्रण-पत्र

सजन जी,

जय सीता राम जी

आप सजनों (1).....(2).....(3).....को सहर्ष सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 14/18 जून शनिवार/बुधवार से लेकर दिनांक 18/22 जून बुधवार/इतवार तक 'सतयुग दर्शन वसुन्धरा' पर बच्चों के लिए विशेषकर आयोजित कार्यक्रम में सम्मलित होने के लिए सादर आमंत्रित हैं। आप सभी सजन दोपहर-दो-तीन बजे तक यहां अवश्य पहुंच जावें।

जैसा कि आप को चैत्र के यज्ञ पर बताया ही था कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मिलित रूप से एक हफ्ते के लिए उन समस्त बालक-बालिकाओं को बुलाया जाएगा जिनकी आयु 10 वर्ष से लेकर 25 वर्ष के मध्य है परन्तु इस आयोजन में भाग लेने के लिए उत्साहित बच्चों के संख्या बल को देखते हुए बालक-बालिकाओं को अलग-अलग, चार-चार दिन के लिए बुलाना उचित समझा गया है ताकि पूरा समय देकर सबको लाभान्वित किया जा सके।

इस कार्यक्रम में बड़ी अवस्था के सजनों व माता-पिता को बच्चों के साथ आने की अनुमति नहीं होगी। प्रत्येक स्कूल के उन्हीं पांच सजनों ने जो कार्यक्रम के दौरान अपने निर्देशन में बच्चों का ध्यान ठीक रख सकें, उन्हीं ने बच्चों के साथ आना है। बडी ब्रांच जहां सम्मिलित होने वाले बच्चों की संख्या काफी अधिक है वहां के एक सजन को भी बच्चों के साथ आने की अुनमति होगी। प्रत्येक शहर की ब्रांच का एक सजन अपने स्कूल से सम्पर्क स्थापित करके उनके साथ बच्चों को भेजने का ठीक

इंतजाम कर देवें व वह स्कूल जिनकी ब्रांचें नज़दीक हों वह जहां तक हो सके आते समय अपनी नज़दीकी ब्रांच के सजन रास्ते से लेते आवें। आने वाले बच्चों ने अपने स्कूल के जिन-जिन सजनों के साथ आना है उन्होंने उन का कहा मान ठीक अनुशासन में रहना है।

आने से पूर्व प्रत्येक बच्चे ने बाल-उत्सव व सत्य-ज्ञान-यज्ञ की पुस्तक का अच्छी तरह से पठन व मनन कर हनुमान चालीसा भी याद कर के आना है। यह तीनो पुस्तके साथ लानी न भूलना। प्रत्येक बच्चा अपने खेल का सामान (जो भी उसे पसंद है) उसे साथ लेकर आवे, व वहां पहुंचते ही अपना नाम खेल-अध्यक्ष को लिखवा दे। सब बच्चे अपने सफेद Fleet-Shoes साथ में लाना न भूलें। प्रत्येक शहर के बच्चों ने आने से पूर्व अपनी पसंद का कोई भी अच्छा सा Item मिलजुल कर तैयार करके आना है ताकि आप सब की प्रतिभा व गुण उभर कर सामने आवें।

आवश्यक निर्देश

1. सभी बच्चों ने अपने माता-पिता की सहर्ष अनुमति से इस कार्यक्रम में शामिल होना है।
2. सब बच्चों ने मिल-जुल कर एकता से रहना है, कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं करना व अपने साथ आए सजनों के निर्देश को मानना है।
3. अपने सामान का ध्यान स्वयं रखना है व अपने साथ कोई कीमती वस्तु व अधिक पैसे इत्यादि नहीं लेकर आने।
4. इस कार्यक्रम के दौरान किसी भी बच्चे को परिसर से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी न ही बाहर से कुछ लाकर खाने की आज्ञा होगी। इसलिए माता-पिता बच्चों के साथ हल्का खाने का सामान जैसे बिस्कुट इत्यादि दे देवें।
5. प्रत्येक बच्चा सोने के लिए दो चादरें व एक गद्दी अपने साथ लेकर आवे व कपड़ों को भली-भांति इस्त्री करके सूटकेस में रखते समय अपने नहाने धोने के लिए आवश्यक सामान जैसे साबुन-पेस्ट इत्यादि रखना न भूले।

6. सभी सजनों ने रहने के स्थान पर सफाई का पूरा ध्यान रखना है।

7. जिस भी बच्चे को शारीरिक रोग हो या जिस को भी माता पिता से अकेले रहने की आदत न हो वह सजन न आवें।

8. वह विवाहित लड़के-लड़कियां जिनकी आयु इस निर्धारित सीमा के अंतर्गत आती है परन्तु उनके शिशु छोटे हैं उन्होंने नहीं आना या फिर बच्चों का ठीक इंतजाम घर पर ही करके आना है। छोटे बच्चों को साथ लाने की अनुमति नहीं होगी।

9. धूम्रपान व मद्यपान करने वाले लड़के सजनों को यहां यह सब करने की अनुमति नहीं होगी।

पहुंचने का पता:

सतयुग दर्शन वसुन्धरा

भूपानि लालपुर रोड, नज़दीक गांव भूपानि

फरीदाबाद

दूरभाष: 0129-202316, 0129-202317